



कलकत्ता

प्रसंगवश

माओवादी मुक्ति से शांति एवं संतुलन की नई संभावनाएं

ललित गर्ग

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक-आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है।

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद/माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10 हजार से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी

आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य-पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं 'फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों' की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी के डर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है।

निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। 'सुरक्षा और विकास' के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से

कमजोर किया है। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह एक व्यक्ति का ही नहीं, एक विचारधारा का भी समर्पण है।

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है।

आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास को समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को

केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास को योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक संरक्षितकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असंभव नहीं है। निश्चित तौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र, विकास और सुशासन की जीत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत अपने आंतरिक संघर्षों को शांतिपूर्ण और निर्णायक ढंग से सुलझाने में सक्षम है। अब समय है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए और देश के हर कोने में शांति, समृद्धि और संतुलन का वातावरण स्थापित किया जाए। जब हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करेगा, तभी सच्चे अर्थों में एक आदर्श शासन व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा।

(प्रभासकृष्ण डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

subhassaverenews@gmail.com
facebook.com/subhassaverenews
www.subhassavere.news
twitter.com/subhassaverenews

शहर की सुबह

काश दिल की बात में माना न होता तो कम-अज-कम इतना दीवाना न होता। मोत है तब यह क्रयामत दा रहा है क्या बशर करता जो मर जाना न होता। हम भी होते मस्त, फवकड़, बेनियाजी कुछ जहाँ हमको गर पाना न होता। घूमते फिरते अँधेरी राह पर ही राहबर का सच अगर जाना न होता। बात दिल की करते सब दिल खोल कर हम आपको जल्दी अगर जाना न होता। अहले-दिल की ही अगर होती निजामत कोई मरिजद, गिरजा, बुतखाना न होता।

- दिनेश मालवीय 'अश्क'

कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को तीन साल की सजा

एमपी-एमएलए कोर्ट ने दी जमानत, एफडी की हेराफेरी मामले में पाए गए दोषी

दतिया (नप्र)। दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को 27 साल पुराने एफडी हेराफेरी मामले में दोषी करार दिया है। गुरुवार को कोर्ट ने उन्हें 3 साल की सजा सुनाई और जमानत दे दी। उन्हें आपराधिक साजिश (धारा 120बी) और धोखाधड़ी व जालसाजी (धारा 420, 467, 468, 471) में दोषी माना गया है। सह-आरोपी बैंक लिपिक रघुवीर प्रजापति को भी दोषी ठहराया गया है। कोर्ट ने दो धाराओं में 3-3 साल और एक धारा में 2 साल की सजा सुनाई है। इससे उनकी विधायकी पर खतरा बना हुआ है। वरिष्ठ वकीलों के अनुसार अपील के लिए उन्हें 60 दिन मिलेंगे। अगर हाईकोर्ट से सजा पर स्थगन (स्टे) मिल जाता है, तो उनकी विधायकी बरकरार रह सकती है। फिलहाल उनकी सदस्यता पर संकट बना हुआ है।

फर्जी दस्तावेजों से एफडी का ब्याज निकालना- घटनाक्रम की शुरुआत 1998 से शुरू होती है। श्याम सुंदर संस्थान की अध्यक्ष सावित्री श्याम (राजेंद्र भारती की मां) ने दतिया सहकारी ग्रामीण विकास बैंक में 10 लाख रु. की एफडी की थी। साल 1998 से 2001 के बीच राजेंद्र भारती उसी बैंक के संचालक मंडल के अध्यक्ष थे।



भोजशाला मामले में 6 अप्रैल से रोज सुनवाई

सभी याचिकाओं पर एक साथ दलीलें सुनेगा हाईकोर्ट, एएसआई की सर्व रिपोर्ट पर आपत्तियां रखेगा मुस्लिम पक्ष



इंदौर/धार (नप्र)। धार के भोजशाला विवाद मामले में 6 अप्रैल से रोज सुनवाई होगी। हाईकोर्ट के जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की बेंच सोमवार दोपहर ढाई बजे से सभी याचिकाओं को एक साथ सुनेगी। गुरुवार को हुई सुनवाई में अदालत ने स्पष्ट किया है कि पहले याचिकाकर्ताओं के तर्क सुने जाएंगे, फिर आपत्ति लगाने वालों को दलील रखने का अवसर दिया जाएगा। सुनवाई के दौरान हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से वकील विष्णु शंकर जैन, विनय जोशी मौजूद रहे जबकि

मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी की ओर से एडवोकेट सलमान खुशीद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- हाईकोर्ट ही करेगा अंतिम फैसला- इससे पहले बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला विवाद में अहम आदेश देते हुए स्पष्ट किया था कि मामले का अंतिम निर्णय अब हाईकोर्ट ही करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की सर्व रिपोर्ट, वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी को आपत्तियों पर हाईकोर्ट अंतिम सुनवाई में विचार करेगा। सभी मुद्दे हाईकोर्ट के समक्ष खुले रहेंगे और वहीं तय किए जाएंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- एएसआई द्वारा तैयार की गई सर्व रिपोर्ट सभी पक्षों को उपलब्ध करा दी गई है। कई पक्षों ने इस पर अपनी आपत्तियां भी दर्ज कराई हैं। एएसआई द्वारा की गई साइट की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी से जुड़े बिंदुओं को भी हाईकोर्ट गंभीरता से देखेगा। यदि वीडियोग्राफी के आधार पर कोई नई आपत्तियां उठती हैं, तो उन पर भी सुनवाई के दौरान विचार किया जाएगा। इसके अलावा शीर्ष कोर्ट ने पहले दिए गए निर्देश को बरकरार रखते हुए कहा था कि भोजशाला परिसर के स्वरूप में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। साथ ही, 7 अप्रैल 2003 को एएसआई द्वारा जारी आदेश का पालन जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय मंत्रियों और सांसदों से मुलाकात और चर्चा की

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों और राज्य के संसद सदस्यों से मुलाकात कर प्रदेश के विकास संबंधी योजनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्रीय संचार और उत्तर पूर्वी विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार से मुलाकात की। उन्होंने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और संसदीय मामलों के राज्यमंत्री डॉ. एल. मुरुगन, केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उडके, केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर से भी मुलाकात की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल के साथ श्री महेन्द्र सिंह भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इसके पहले मध्यप्रदेश के सांसदों से विकास के विभिन्न मुद्दों पर वन-टू-वन चर्चा की। प्रदेश के विभिन्न अंचलों में केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में संसद सदस्यों के साथ मध्यप्रदेश भवन में हुई बैठक में विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

पश्चिम बंगाल की धरती पर सीएम मोहन यादव की दहाड़

ममता अब दीदी नहीं, 'अप्पी' हो गई हैं



बांग्लादेशी पश्चिम बंगाल आकर हो रहे मालामाल, यहां के मूल निवासियों को रोजगार के लिए करना पड़ रहा पलायन

भोपाल (नप्र)। पश्चिम बंगाल में विदेशी चुसपैटिये आकर हमारे अधिकारों पर कब्जा कर रहे हैं। बांग्लादेशी चुसपैटिये यहां आकर मालामाल हो रहे हैं। पश्चिम बंगाल के मूल निवासी ममता राज में ओडिशा, झारखंड, महाराष्ट्र के लिए पलायन कर बेरोजगारी झेल रहे हैं। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल के बांकुरा जिले में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कही। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रचार में एमपी सीएम मोहन यादव की एंट्री हो गई है। सीएम मोहन यादव बांकुरा में बीजेपी प्रत्याशियों के नामांकन में शामिल हुए। साथ ही सभा को संबोधित करते हुए बीजेपी प्रत्याशियों के पक्ष में वोट डालने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ममता दीदी

के राज में सब परेशान हैं। ममता अब दीदी नहीं है, ये अप्पी हो गई हैं। ये बात पूरे देश में सुनाई दे रही है। पश्चिम बंगाल में हो रहे चुनाव में हो रहे चुनाव उन्होंने कहा कि एक तरफ देशभक्त और दूसरी तरफ विदेशी चुसपैटियों को यह लड़ाई है। बांग्लादेश के लोगों के लिए हमारे देश में कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के पश्चिम बंगाल में चुनावी रिजल्ट आने वाला है और बीजेपी जीतने वाली है, यह आपके चेहरे का नूर बता रहा है। यादव ने कहा कि आज बंगाल का युवा महिला, गरीब, किसान सब उत्कर खड़े हुए हैं और अपनी आन, बान और शान के लिए तैयार हैं।

इंडियन करेंसी की 12 साल में सबसे लंबी छलांग

डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपए को लग गए पंच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रुपये में हाल में पिछले हफ्ते काफी गिरावट आई थी और यह डॉलर के मुकाबले 95 के पार पहुंच गया था। लेकिन आज इस्का निवासी और अनिवासी ग्राहकों के लिए नहीं कर सकेंगे। इस कारण आज रुपये में तेजी देखने को मिली। हालांकि, अधिकृत डीलर बैंकों को डिलीवरेबल विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव अनुबंध पेश करने की अनुमति जारी रहेगी, ताकि ग्राहक जोखिम से बचाव की

अब रुपये से जुड़े नॉन-डिलीवरेबल डेरिवेटिव (एनडीडी) अनुबंधों की पेशकश निवासी और अनिवासी ग्राहकों के लिए नहीं कर सकेंगे। इस कारण आज रुपये में तेजी देखने को मिली। हालांकि, अधिकृत डीलर बैंकों को डिलीवरेबल विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव अनुबंध पेश करने की अनुमति जारी रहेगी, ताकि ग्राहक जोखिम से बचाव की

अपनी जरूरतों को पूरा कर सकें। इसके साथ शर्त यह है कि ग्राहक इसके समानांतर नॉन-डिलीवरेबल सौदे नहीं कर सकेंगे। आरबीआई ने यह भी निर्देश दिया कि अधिकृत डीलर बैंक ऐसे किसी भी विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव अनुबंध को दोबारा बुक नहीं कर सकेंगे, जिसे इन निर्देशों के लागू होने के बाद रद्द किया गया हो। नियमों के

अनुपालन के लिए बैंक ग्राहकों से आवश्यक जानकारी या दस्तावेज मांग सकते हैं। इसके अलावा, डीलर बैंकों को अपने संबंधित पक्षों के साथ किसी भी तरह के विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव सौदे करने को रोक दिया गया है। संबंधित पक्ष की परिभाषा भारतीय लेखा मानक (इंड एएस) 24 या अंतरराष्ट्रीय मानक (आईएसएस) 24 के अनुरूप तय होगी। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब रुपया हाल ही में कारोबारी सत्र के दौरान 95 रुपये प्रति डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर को भी पार कर गया था। इससे पहले, आरबीआई ने अधिकृत डीलर बैंकों के लिए विदेशी मुद्रा बाजार में रुपये की नई ओपन पोजिशन (विदेशी मुद्रा में कुल खरीद और बिक्री के बीच का अंतर) पर 10 करोड़ डॉलर की सीमा भी तय की थी।



संक्षिप्त समाचार

संभल एसपी के रिसेशन में गए सपा विधायकों से अखिलेश नाराज

● सपा चीफ बोले-उन्हें नहीं जाना चाहिए था, बातचीत करके समझाएं

लखनऊ (एजेंसी)। संभल एसपी के रिसेशन में सपा नेताओं के शामिल होने पर अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें इसमें शामिल नहीं होना चाहिए था। बातचीत कर उन्हें समझाया जाएगा। दरअसल, संभल एसपी केके बिस्नोई और आर्डीएस अशिका वर्मा की शादी के बाद हुए रिसेशन में समाजवादी पार्टी के तीन विधायक और जिलाध्यक्ष शामिल हुए थे। गुरुवार को पूर्व मुख्यमंत्री ने सपा की एक बैठक के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर योगी सरकार को घेरा। कानपुर में सामने आए कथित किडनी मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री को



वास्तविक समस्याओं का अंदाजा नहीं है और वे विपक्ष की रैलियों को पल्लो बताने में लगे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नकली नोट और किडनी कांड में भाजपा के लोग शामिल हैं। कहा- भाजपा के लोग सपा शासन की परियोजनाओं का भी श्रेय लेने में लगे हैं। एक बात वो भूल ही गए कि जब से वो बने हैं, एक वनस्पति का विकास बहुत हुआ है। 200 किलो फिफ्टर पकड़ा गया है। गाजा गंज पर सूची बनेगी। धुआं धर पर भी फिल्म बननी चाहिए।

चुनाव खत्म होते ही पूरी भाजपा की बटालियन यूपी में जुट जाएगी- सपा प्रमुख ने कहा- जैसे ही चुनाव समाप्त होंगे, पूरी भाजपा की फौज यूपी में आ जाएगी। हम लोग दूर से देख रहे हैं जहां चुनाव हो रहा है, वहां बीजेपी और चुनाव आयोग मिलकर क्या काम कर रहे हैं। उन्होंने बंगाल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां कई अधिकारियों को हटाया गया, लेकिन उत्तर प्रदेश में चुनाव के दौरान ऐसा नहीं किया गया।

नीतिश को इस्तीफे के बाद भी मिलेगी जेड+सिवयोरिटी

● सीएम से मिले तेजस्वी के बागी विधायक, 14 अप्रैल के बाद बन सकती है नई सरकार

पटना (एजेंसी)। बिहार की सियालत में जल्द ही बड़ा उलटफेर होने वाला है। सूत्रों के अनुसार, सीएम नीतीश 10 अप्रैल को राज्यसभा की सदस्यता ग्रहण करेंगे। इसके बाद 14 अप्रैल को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इसके साथ ही 18 तारीख तक बिहार में नई सरकार का गठन होगा। सीएम के इस्तीफे की चर्चाओं के बीच उनकी सिक्वोरिटी को लेकर बड़ा फैसला किया गया है। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के बाद भी नीतिश कुमार को जेड+ कैटेगरी की सिक्वोरिटी मिलेगी। बिहार सरकार के गृह विभाग ने इसे लेकर अधिसूचना जारी की है। इस अधिसूचना में नीतिश कुमार के



मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे भी का जिक्र है। लेटर में लिखा गया है, बिहार विधान परिषद के सदस्य और मुख्यमंत्री बिहार के पद से त्याग-पत्र देकर राज्यसभा सदस्य की सदस्यता ग्रहण करेंगे। इधर, तेजस्वी के बागी विधायक फैसल रहमान ने गुरुवार को सीएम हाउस में नीतिश कुमार से मुलाकात की। 116 मार्च को हुए राज्यसभा चुनाव में दाका विधायक फैसल रहमान वोट देने नहीं पहुंचे थे। गृह विभाग की ओर से जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, नीतिश कुमार को बिहार स्पेशल सिक्वोरिटी एक्ट-2000 के तहत सुरक्षा का योग्य माना गया है। ये कानून विशिष्ट व्यक्तियों को उनकी संवेदनशीलता के आधार पर सुरक्षा कवर प्रदान करने का अधिकार देता है। विभाग ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल और वर्तमान राजनीतिक स्थिति की समीक्षा के बाद सुरक्षा को लेकर ये कदम उठाया गया है। पुलिस महानिदेशक के नाम लिखे गए पत्र में कहा गया, नीतिश कुमार को सुरक्षा दी जाएगी।

(डॉ. हरीशकुमार सिंह)

अंतरराष्ट्रीय मूर्ख दिवस पर एक अप्रैल को कालिदास अकादमी में 53 वें अखिल भारतीय टेपा सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को अशांति का ग्लोबल टेपा सम्मान प्रदान करने की घोषणा की गई। टेपा सम्मेलन में वार्षिक टेपा रपट पढ़ते हुए सुमेध सिंह शर्मा ने कहा कि जब ट्रम्प को शांति का नोबल पुरस्कार नहीं मिला तो जिसे मिला उससे एक तरह से छीन ही लिया और अब टेरिफ की दादागिरी के बाद, दूसरे देशों पर हमले कर अमान शांति की धजियाँ उड़ा दी हैं और अशांति फैला कर पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था को खतरे में डालकर परेशान कर दिया है इसलिए अशांति के ग्लोबल सम्मान के वे हकदार हैं।

टेपा के संस्थापक-अध्यक्ष डॉ. शिव शर्मा एवं प्रख्यात समाजसेवी स्व. लाला अमरनाथ की स्मृति को समर्पित धुरंधर टेपा सम्मेलन में टेपा अतिथियों को विचित्र वेषभूषा और टेपा मुकुट पहनाई गयी थी। टेपा सम्मेलन का शुभारम्भ अकादमी के मुक्ताकाशी मंच के विशाल प्रांगण में सर्वोत्तम नृत्य अकादमी के डॉ. हरिहरेश्वर पोद्दार द्वारा लिखे और निर्देशित टेपा गीत की आकर्षक प्रस्तुति से हुआ। गायन ख्यात कलाकार सुदर्शन अयाचित और पूर्णिमा नाटनी एवं सांथियों ने किया। टेपा सम्मेलन में प्रेस क्लब के अध्यक्ष नंदलाल यादव पर प्रशस्ति वाचन करते हुए उन्हें धुरंधर प्रेस क्लब अध्यक्ष की उपाधि प्रदान की

टोल का संचालन एवं सड़क की मरम्मत का कार्य अब एमपीआरडीसी द्वारा कराया जाएगा

संभव। टोल प्लस एन्युटी योजनांतर्गत निर्मित संधवा से व्हाया पलसुद बड़वानी राज्य राजमार्ग क्रं. 39 की बढहली को लेकर की गई शिकायतों के पश्चात मुख्य अभियंता (बीओटी) म.प्र. सड़क विकास निगम भोपाल द्वारा कंसेशनार (रियायतग्राही) के कंसेशन एग्ग्रीमेंट (छूट अनुबंध) को निलंबित करते हुए टोल प्लाजा को 1 अप्रैल 26 से एमपीआरडीसी ने अपने आधिपत्य में ले लिया है। टोल का संचालन एवं सड़क की मरम्मत का कार्य अब एमपीआरडीसी द्वारा कराया जावेगा।

यह जानकारी सामाजिक कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता बी.एल.जैन द्वारा देते हुए बताया गया कि उनके द्वारा 11 एवं 22 जनवरी तथा 16 व 22 मार्च 26 को मुख्यमंत्री, लोकनिर्माण मंत्री, प्रबंध संचालक एमपीआरडीसी, मुख्य अभियंता भोपाल व कलेक्टर बड़वानी को शिकायत प्रेषित कर उन्हें अवगत कराया गया था कि टोल प्लस एन्युटी योजनांतर्गत 57 कि.मी. मार्ग का निर्माण सन् 2012 में 15 वर्ष की कंसेशन अवधि के लिए किया गया



था, जिसकी अवधि दि. 05 दिसम्बर 26 को समाप्त हो रही है। उक्त योजना के तहत सड़क बनाने वाली कम्पनी को टोल वसूली के अतिरिक्त शासन

द्वारा प्रति 6 माह में निर्धारित राशि भी प्रदान की जाती है बावजूद इसके कंसेशनार द्वारा इस सड़क का संधारण कार्य एक लंबे अरसे से नहीं किया जा रहा है जिससे प्रतिदिन सैकड़ों वाहन चालकों को आवागमन में हमेशा बाधा उत्पन्न होती है साथ ही दुर्घटना का अंदेश भी बना रहता है। जिससे वाहन चालकों में गहरा आक्रोश व्याप्त है क्योंकि जिस मार्ग से गुजरने पर प्रत्येक कि.मी. का टोल टैक्स वसूला जा रहा है उस सड़क पर कंसेशनार द्वारा लम्बे समय से संधारण कार्य नहीं किया जा रहा है। श्री जैन ने बताया कि उनकी शिकायत पश्चात संभागीय प्रबंधक म.प्र.सड़क विकास निगम इंदौर-धर द्वारा मुख्यालय को प्रस्ताव प्रेषित कर लिखा गया था कि कंसेशनार को अनुबंध की धाराओं के अनुसार मार्ग के आवश्यक रखरखाव और मरम्मत कार्य करने के निर्देश जारी किए गए थे किंतु अनेकों सूचना पत्र जारी करने के बाद भी कंसेशनार द्वारा आवश्यक संधारण कार्य नहीं करवाया जा रहा है।

15 दिन बंगाल में ही रहेंगे ममता को घर में हराना है

शाह बोले-टीएमसी को खाड़ी में फेंक दो, लोगों ने काले झंडे दिखाए



नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के भवानीपुर में रोड शो किया। उन्होंने कहा- मैं अगले 15 दिन बंगाल में रहने वाला हूँ। टीएमसी को जड़ से उखाड़ फेंकने और उसे बंगाल की खाड़ी में फेंकने के लिए हर किसी को बिना किसी डर के वोट देना चाहिए। कोई भी गुंडा बंगाल के मतदाताओं को नहीं रोक सकता। शाह का काफिला जब कालीघाट पहुंचा, जहां से ममता का घर कुछ ही दूर है वहां पर

टीएमसी कार्यकर्ता ने काफिले के सामने जय बांग्ला और ममता बनर्जी जिनदाबाद के नारे लगाए। फिर पर काला कपड़ा बांधे लोगों ने अमित शाह को बैक के नारे लगाए और काले झंडे भी दिखाए। इसके बाद उसे बंगाल की खाड़ी में फेंकने के लिए हर झुण्ड होने लगी। हालात काबू करने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की और भीड़ पर कंट्रोल किया। इससे पहले शाह ने कोलकाता में रैली में कहा-ममता को उनके घर में भी हराना होगा।

पिछली बार नंदीग्राम हारेंगे अब पूरा बंगाल हारेंगे

अमित शाह ने आगे कहा कि पिछली बार ममता बनर्जी नंदीग्राम में हार गई थीं और इस बार भवानीपुर के साथ-साथ पूरे पश्चिम बंगाल में भी उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा। गृह मंत्री ने आगे कहा कि पूरा बंगाल ममता बनर्जी की विदाई करने के लिए तैयार है। सुवेदु दा से कहा था कि केवल नंदीग्राम ही नहीं बल्कि ममता बनर्जी के घर में जाकर उन्हें हराना है। ममता बनर्जी बंगाल में सरकार तो बना पाई थीं लेकिन ममता बनर्जी नंदीग्राम में सुवेदु दा के सामने चुनाव हार गई थी। इस बार ममता बनर्जी पूरे बंगाल में भी हारेंगी और भवानीपुर में भी हारेंगी उन्होंने जोर देकर कहा कि शुभेदु अधिकारी का नामांकन बंगाल में टीएमसी के पतन की शुरुआत साबित होगा।

एपीने राघव चड्ढा को राज्यसभा उपनेता पद से हटवाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को सांसद राघव चड्ढा को राज्यसभा के उपनेता पद से हटा दिया है। उनकी जगह यह पोस्ट राज्यसभा सांसद अशोक मिश्र दे दी है। पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को पत्र लिखकर यह जानकारी दी। लेटर में कहा कि सदन में पार्टी की तरफ से बोलने का समय न दिया जाए। राघव 2022 से पंजाब से र। जय सभा सांसद हैं।

उनका कार्यकाल 2028 तक है। पार्टी ने इस फैसले की वजह नहीं बताई है। हालांकि, उन्होंने लंबे समय से पार्टी से दूरी बना ली थी और एपीपी को लेकर कोई बयान नहीं दे रहे हैं। 27 फरवरी को जब एक निचली अदालत से अर्बिंद केजरीवाल को दिल्ली शराब नीति मामले में राहत मिली, तब भी उन्होंने कोई बयान नहीं दिया था।

होमज संकट पर ईरान ने कर दिया बड़ा ऐलान

हमारे भारतीय दोस्त हैं सुरक्षित, उन्हें नहीं रोकेंगे



नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान ने भारत को बड़ी राहत देते हुए होमज स्ट्रेट से गुजरने वाले भारतीय जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने का आश्वासन दिया है। ईरान ने भारत को मित्र देश बताते हुए कहा है कि भारतीय ध्वज वाले जहाज और उसमें सवार नाविक सुरक्षित हैं, जिससे एलपीजी और तेल की आपूर्ति बनी रहेगी। ईरान ने कहा है कि भारतीय मित्रों को होमज स्ट्रेट की स्थिति को लेकर कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है। 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका के हमलों के बाद से यह महत्वपूर्ण जलमार्ग बाधित हो गया है। ईरान के भारत स्थित दूतावास ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि हमारे भारतीय मित्र सुरक्षित हाथों में हैं, कोई चिंता नहीं। ईरान

होमज स्ट्रेट को नियंत्रित करता है, जिसके रास्ते दुनिया की लगभग 20 फीसदी ऊर्जा आपूर्ति होती है। संघर्ष शुरू होने के बाद ईरान ने बहुत कम जहाजों को पार करने की अनुमति दी है। ईरान ने कहा है कि वह मित्र राष्ट्रों जैसे भारत, चीन, रूस, इराक और पाकिस्तान के जहाजों को गुजरने की अनुमति दे रहा है। अब तक कम से कम आठ भारतीय जहाज होमज से निकल चुके हैं। इनमें दो एलपीजी कैरियर बीडब्ल्यू टायर और बीडब्ल्यू एलम शामिल हैं, जिनमें कुल लगभग 94,000 टन एलपीजी का कार्गो था। वर्तमान में भारत के लिए 19 जहाज एलपीजी, कच्चे तेल और एलएनजी लेकर होमज में फंसे हुए हैं।

ईरान युद्ध की आड़ में हरकत की तो नहीं बचेगा पाकिस्तान

● राजनाथ सिंह की चेतावनी, ऑपरेशन सिंदूर से भी मयानक होगा अंजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को तिरुवनंतपुरम में आयोजित सैनिक सम्मान सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ 'जोरो टॉलरेंस' रखता है। वह इसके खिलाफ सरहद के इस पार और उस पार दोनों तरफ कार्रवाई करता है। उन्होंने कहा कि चाहे 'उरी अटैक' के बाद हुई सजिकल स्ट्राइक हो, 'पुलवामा' के बाद की गई एयर स्ट्राइक हो या फिर अभी 'पहलगाम' की घटना के बाद किया गया 'ऑपरेशन सिंदूर' हो, हमने आतंकवाद के खिलाफ जबरदस्त प्रहार किया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि पहलगाम में हुई आतंकी घटना के बाद भारतीय सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया था।

मेजर संदीप उन्नीकृष्णन के बलिदान को किया याद

उन्होंने मेजर संदीप उन्नीकृष्णन का स्मरण करते हुए कहा, कौन भूल सकता है, मेजर संदीप उन्नीकृष्णन, अशोक चक्र पुरस्कार विजेता के सर्वोच्च बलिदान को। 'मुंबई टेरर अटैक' के दौरान उन्होंने आतंकवादियों से लड़ते हुए अपनी जान दे दी। यह देश का दुर्भाग्य था कि उस समय की कांग्रेस सरकार ने मेजर संदीप उन्नीकृष्णन के बलिदान को उचित सम्मान नहीं किया। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज हम देश के अलग-अलग हिस्सों में भी वीर मेमोरियल बना रहे हैं ताकि देश की अगली पीढ़ी को प्रेरणा मिले कि हमारे सैनिकों ने देश की रक्षा के लिए क्या काम किया है।

ट्रम्प को अशांति का ग्लोबल टेपा सम्मान प्रदान करने की घोषणा

गई। विधायक महेश परमार पर प्रशस्ति वाचन कर उन्हें धुरंधर विधायक की उपाधि प्रदान की गई। जिला भाजपा अध्यक्ष राजेश धाकड़, बैरवा समाज के अध्यक्ष सुरेन्द्र मरमत, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ एडवोकेट आदिश सी अग्रवाला पर प्रशस्ति वाचन कर उन्हें टेपा उपाधि प्रदान की गई। पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, वन विकास निगम के मुख्य वन संरक्षक प्रफुल्ल फूलजोते, प्रेमचंद सुजन पीठ के निदेशक मुकेश जोशी, राजनेता मुकेश भाटी, फिटनेस कोच गिनील नवलकर मंच पर टेपा अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रशस्ति वाचन डॉ. हरीशकुमार सिंह, अशोक भाटी, सुरेन्द्र साकिट ने किया। प्रख्यात कॉमेडियन और हास्य अभिनेता राकेश बेदी से जब यह पूछा गया कि आप श्रिता दर्शकों को क्या कहना चाहेंगे तो उन्होंने कहा कि जब कोई तुमसे यह कहे कि बच्चा है तु मेरा तो उस आदमी से बच के रहना। प्रशस्ति वाचन करते हुए दिनेश दिग्गज के रोचक सवालों के अनोखे अंदाज में राकेश बेदी ने जवाब देकर आनंदित किया।



टेपा सम्मेलन में 53वां राधा लाला अमरनाथ स्मृति हास्य व्यंग्य टेपा सम्मान हास्य अभनेता राकेश बेदी को टेपा अतिथि महेश परमार, नंदलाल यादव, पं. योगेश शर्मा, शिवा खत्री, राजेश धाकड़ ने प्रदान किया। सांदिपीनी न्यास टेपा सम्मान व्यंग्य कवि शंभू शिखर को प. योगेश शर्मा, डॉ. प्रतिष्ठा शर्मा ने प्रदान किया। पं. सूर्यनारायण व्यास स्मृति टेपा सम्मान प्रख्यात कवि सुभाष काबरा को अंकित व्यास, दिव्या व्यास एवं अतिथियों द्वारा प्रदान किया गया। रंगकर्मी भवती शर्मा स्मृति टेपा सम्मान कवयित्री प्रिया खुशबू को प. योगेश शर्मा ने प्रदान किया। पत्रकार मानसिंह बैस स्मृति टेपा सम्मान सांपादक नितिन चावड़ा को सांपादक महेंद्रसिंह बैस द्वारा और एडवोकेट ज्ञानस्वरूप श्रीवास्तव स्मृति टेपा सम्मान पत्रकार भूपेंद्र भूतड़ा को प्रलभ श्रीवास्तव द्वारा प्रदान किया गया। स्व. कन्हैयालाल भूतड़ा स्मृति टेपा सम्मान वरिष्ठ पत्रकार राजेश पांचाल को निकुंज भूतड़ा द्वारा प्रदान किया गया। कला संकेत सम्मान डॉ. अभिषेक सिंह तोमर को दीपक शर्मा, दिनेश शर्मा द्वारा प्रदान किया गया। स्व. सत्यनारायण

गोयल स्मृति टेपा सम्मान पत्रकार राहुल यादव को पत्रकार डॉ. सचिन गोयल द्वारा प्रदान किया गया। स्व. किशनलाल जायसवाल स्मृति टेपा सम्मान कवि लोकेश जडिया को उत्तम जायसवाल द्वारा प्रदान किया गया। स्व. रणछोड़ सिंह आंजना स्मृति टेपा सम्मान कवि एकेश पार्थ को भगवान सिंह आंजना द्वारा प्रदान किया गया। गणेश चिंतामन शास्त्री पंडा नाहरवाला स्मृति सम्मान कवि राहुल शर्मा को, स्वप्निल शास्त्री, ओमप्रकाश शास्त्री द्वारा प्रदान किया गया। स्व. आरक्षक आशा बैस स्मृति टेपा सम्मान अनी कोठारी को पत्रकार महेंद्रसिंह बैस और अतिथियों ने प्रदान किया। कानूनविद स्व. बालकृष्ण उपाध्याय स्मृति टेपा सम्मान वरिष्ठ एडवोकेट आदिश सी अग्रवाला को आशीष उपाध्याय द्वारा प्रदान किया गया। स्व. शकुंतला मोहनलाल शर्मा स्मृति टेपा सम्मान समाजसेवी नरेश शर्मा को राकेश बेदी, दीपक शर्मा, दिनेश शर्मा, राजेश पंड्या एवं अतिथियों ने प्रदान किया। स्व. अशोक ब्रजलाल जायसवाल स्मृति टेपा सम्मान वृक्ष मित्र समिति के अध्यक्ष अजय भातखंडे को पत्रकार हर्ष जायसवाल और अतिथियों ने प्रदान किया। कवियों के कौं-कौं सम्मेलन में हास्य व्यंग्य के प्रख्यात कवि शंभू शिखर, एकेश पार्थ, सुभाष काबरा, राहुल शर्मा, लोकेश जडिया और प्रिया खुशबू ने अपनी रचनाओं से समां बाँधा। संचालन प्रख्यात हास्य कवि दिनेश दिग्गज ने किया। सूत्र संयोजन अशोक भाटी, सुरेन्द्र साकिट, कलदीप रंगीला ने किया। टेपा सम्मेलन के सचिव मनीष शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

सात लोगों ने बीपीसीएल से 129 करोड़ का पेट्रोल-डीजल उड़ा लिया, केस दर्ज

इंदौर। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के साथ 129 करोड़ 55 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया। पुलिस ने पेमेंट गेटवे प्लेटफॉर्म की साइट हैक कर स्कैम करने का अंदेश जताया है। पेट्रोल-डीजल खरीदने वाले सात लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर ली। यह घोटाला देश के कई शहरों में हुआ। पुलिस के अनुसार बीपीसीएल ने 17 दिसंबर 2021 से फ्लॉट, कॉर्पोरेट और व्यक्तिगत ग्राहकों के लिए बीपीसीएल के लॉयल्टी एप्लिकेशन के माध्यम से पेमेंट गेटवे सुविधा लागू की थी। कंपनी द्वारा फ्लॉट खाता बनाया जाता है, जिसमें ग्राहक वालेट को नेट बैंकिंग, यूपीआई, क्रेडिट, डेबिट कार्ड और पेमेंट गेटवे इंटरफेस मोड के माध्यम से राशि के लिए रिचार्ज करवा सकता है। बीपीसीएल लॉयल्टी एप रिचार्ज के लिए रेजपे गेटवे और पाइन लैब्स पेमेंट गेटवे के साथ एकीकृत है। रेजपे संबंधित राशि को बीपीसीएल के खाते में ट्रांसफर करता है। ग्राहक रिचार्ज करवाने के बाद पूरे देश में बीपीसीएल के स्टेशन पर ईंधन खरीदने के लिए इस्तेमाल कर सकता है। मांगलिया पुलिस चौकी प्रभारी एसआई विश्वजीत सिंह तोमर



के अनुसार रीजनल मैनेजर (रिटेल) विक्रान्त हाटे की शिकायत पर विशाल सिंह (एक्जोटिका शालीमार), राशि सिंह (एक्जोटिका शालीमार), दलवीर सिंह (स्क्रीम-114), बलजिंदर सिंह (स्क्रीम-114), वाहिद खान (विजय पैलेस कॉलोनी), नरेंद्र सिंह वासु (खातोवाला टैंक) और बलबीर सिंह निवासी अंबिकापुरी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

बीपीसीएल के बैंक खाते में राशि डाले बगैर 129 करोड़ का रिचार्ज

घोटाले की जानकारी ऐसे लगी

रेजपे की जोखिम मूल्यांकन टीम ने 31 मार्च 2023 को बीपीसीएल को बताया कि लॉयल्टी एप और रेजपे गेटवे सिस्टम के बीच संदिग्ध रिचार्ज हुए हैं। बीपीसीएल ने ग्राहकों का डेटा खंगाला और विश्लेषण कर बताया कि 1093 ग्राहकों के वॉलेट में बीपीसीएल के बैंक खाते में राशि प्राप्त किए बगैर ही कुल 129 करोड़ रुपये का रिचार्ज किया गया। कंपनी ने सभी ग्राहकों के खातों को ब्लॉक किया और सूचना भेजी। कुछ से तो खातों में जमा राशि वापस ले ली गई। जांच के दौरान सात ग्राहक इंदौर के पाए गए। कंपनी ने साख बचाने के लिए उनसे भी संपर्क किया और ईंधन खरीदी की राशि लौटाने का आग्रह किया। उन्हें बताया कि उनके स्मार्ट फ्लॉट खाते वालेट गलत रिचार्ज हुए हैं। मामले की शिफा पुलिस को शिकायत की गई। एसआई ने जांच की और मंगलवार को सात ग्राहकों के खिलाफ केस दर्ज किया।

बीआरटीएस पर बुलडोजर चला, 8 बस स्टॉप हटे, 3 का काम जारी

नवलखा से होल्कर के बीच की 670 मीटर में लगी रेलिंग जल्द हटेगी

इंदौर। शहर में ट्रेफिक सुधार और सड़कों को सुगम बनाने के लिए बीआरटीएस कारिडोर पर तेज कार्रवाई जारी है। बुधवार को नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बीआरटीएस और मास्टर प्लान की सड़कों का निरीक्षण कर काम की प्रगति पर सख्त नजर रखी। उन्होंने साफ निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में तेजी लाने के साथ नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रहे। निरीक्षण के दौरान बीआरटीएस मार्ग पर डिवाइडर, बस स्टॉप और रेलिंग हटाने के कार्यों की समीक्षा की गई। अब तक राजीव गांधी चौराहे से निरंजनपुर चौराहे तक 10.05 किमी लंबे कारिडोर में बने 17 में से 8 बस स्टॉप पूरी तरह हटाए जा चुके हैं। इन स्थानों पर सड़क समतलीकरण और डामरीकरण का



काम भी पूरा हो गया है। वहीं, सिटी बस ऑफिस, गीता भवन और एलआईजी चौराहे के 3 बस स्टॉप पर हटाने का काम जारी है। आयुक्त ने निर्देश दिए कि जहां भी संरचनाएं हटाई जाएं, वहां तुरंत सफाई, पेचवर्क और समतलीकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को परेशानी न हो। नवलखा से होल्कर साइंस कॉलेज के बीच करीब 670 मीटर हिस्से में अभी रेलिंग हटाना बाकी है। इस हिस्से में पहले लोक निर्माण विभाग द्वारा अस्थायी



डिवाइडर लगाए जाएंगे, जिसके बाद निगम एजेंसी रेलिंग हटाने का कार्य पूरा करेगी।

मास्टर प्लान सड़कों पर फोकस- बीआरटीएस निरीक्षण के बाद आयुक्त ने शहर की विभिन्न निर्माणधीन मास्टर प्लान सड़कों का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को तय समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए, साथ ही अधिकारियों को सतत मॉनिटरिंग के लिए भी कहा।

थार गाड़ी टकराकर पलटी, युवक घायल

इंदौर। बुधवार सुबह विजयनगर चौराहे पर एक हादसा हो गया। एक थार जीप अन्य कार से भिड़ने के बाद पलटी खा गई। वाहन में सवार युवक को मामूली चोटें आईं। लोगों ने उसे निजी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस लापरवाही को लेकर मामले की जांच कर रही है। विजयनगर पुलिस के मुताबिक, घटना सुबह करीब 4 बजे सत्य साई चौराहे की है। यहां थार पलट गई। इस हादसे में जीप सवार युवक को बाहर निकाल लिया गया। उसके सिर, हाथ और पैर में मामूली चोट आई। बताया जाता है कि अन्य कार से टकरा के बाद थार की यह हालत हुई।

आयशर खड़े ट्रक में घुसी- कनाडिया के बिचौली हप्सी ब्रिज पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया। सीमेंट से भरा एक तेज रफ्तार ट्रक आगे खड़े दूसरे ट्रक में जा चुका। ट्रकर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में ही फंस गया। घटना के बाद आसपास के लोगों ने झुंझकर को सुरक्षित बाहर निकाला। बताया जाता है कि बाईपास पर काफी अंधेरा होने के चलते यह हादसा हुआ। पुलिस लापरवाही के एंगल से मामले की जांच कर रही है।

मंदिर परिसर में युवक-युवती को पीटा

इंदौर। बाणेश्वर कुंड मंदिर परिसर में युवक-युवती के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। कुछ लोगों ने उन पर अश्लील हकत करने का आरोप लगाते हुए न सिर्फ उनके साथ मारपीट की, बल्कि पूरी घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मंदिर परिसर में मौजूद लोगों ने युवक-युवती को आपत्तिजनक स्थिति में देखने का दावा किया। इसके बाद गुस्साई भीड़ ने दोनों को घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान कई लोग वीडियो बनाते रहे। पुलिस के अनुसार युवक-युवती की ओर से किसी प्रकार की शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है, जिसके चलते उन्हें बिना कार्रवाई के छोड़ दिया गया। सूचना मिलते ही एफआरवी (डायल-112) मौके पर पहुंची और दोनों को थाने ले जाया गया।

कार दोस्त को दी, उसने गिरवी रख दी

इंदौर। एमआईसी थाना क्षेत्र के श्याम नगर निवासी मोहित सूर्यवंशी ने अपने परिचित फैजान शाह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। फैजान ने दो दिन के लिए कार ली, पर उसे लौटाने के बजाए गिरवी रख दिया। मोहित के अनुसार, फैजान ने नवंबर 2025 में शादी में देवास जाने का बहाना बनाकर उसके पिता के नाम पर रजिस्टर्ड कार दो दिन के लिए मांगी थी। भरोसे में आकर मोहित ने कार दे दी, लेकिन तय समय बीतने के बाद भी कार वापस नहीं मिली। जब मोहित ने बार-बार संपर्क किया तो फैजान हर बार कुछ दिन में लौटाने का आश्वासन देता रहा। बाद में उसने खुलासा किया कि उसने कार किसी के पास गिरवी रख दी है। इतना ही नहीं, उसने कार वापस करने से साफ इनकार कर दिया और धमकी भी दी। लगातार परेशान होने के बाद मोहित ने पुलिस में लिखित शिकायत दी। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी और अमानत में खयात का मामला दर्ज कर लिया है।

साजन नगर की शराब दुकान हटी, जश्न मना

इंदौर। साजन नगर क्षेत्र में स्थित शराब दुकान को हटाए जाने के बाद स्थानीय लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए जोरदार जश्न मनाया। डेलक की थाप पर महिलाएं, छात्र और रहवासी नाचते-गाते नजर आए, वहीं मिठाई बाँटकर एक-दूसरे का मुँह मीठा कराया गया। यह शराब दुकान लंबे समय से विवादों में थी, क्योंकि यह घनी आबादी वाले इलाके में स्थित थी। आसपास रहने वाली महिलाओं को सड़क पर निकलने में असुविधा होती थी और शराब पीने वालों की भीड़ से माहौल प्रभावित हो रहा था। इस मुद्दे को लेकर एमआईसी मेंबर मनीष शर्मा ने कलेक्टर और आबकारी विभाग को पत्र लिखकर दुकान हटाने की मांग की थी। उनकी मांग पर कार्रवाई करते हुए नए वित्तीय वर्ष में इस दुकान को साजन नगर से चिंतावद क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया। दुकान हटाने के फैसले के बाद बुधवार को मनीष शर्मा के नेतृत्व में लोगों ने पुरानी दुकान के बाहर आतिशबाजी की और जश्न मनाया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय रहवासी मौजूद रहे और सभी ने इस फैसले का स्वागत किया।

अप्रैल की शुरुआत के साथ महंगाई बढ़ी, दूध-दही से पनीर तक महंगा

इंदौर। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही महंगाई ने आम लोगों की रसोई पर सीधा असर डालना शुरू कर दिया है। आज से दूध के दामों में 3 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी गई है। किसानों ने दूध का मूल्य 2 रुपये बढ़ाया, वहीं परिहहन व अन्य खर्च का हवाला देते हुए विक्रेताओं ने 1 रुपये अतिरिक्त जोड़ दिया। दूध के साथ-साथ उससे बने उत्पादों के दामों में भी तेजी देखी जा रही है। चक्का अब 2.60 से बढ़कर 280 रुपये किलो, पनीर 410 से 420 रुपये, मावा करीब 400 रुपये और क्रीम 420 से 440 रुपये किलो तक पहुंच गई है। दही के दामों में भी आंशिक बढ़ोतरी हुई है, जो 110 से 120 रुपये किलो तक बिक रहा है। किसानों का कहना है कि पशु आहार, चारा और पशुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि से उत्पादन लागत बढ़ गई है।

डेढ़ करोड़ के प्लॉट की गड़बड़ी में फर्जी वकील समेत अन्य फंसे

इंदौर। करीब डेढ़ करोड़ रुपए के भूखंड पर पिछले डेढ़ साल से कब्जे की साजिश रची जा रही थी। द्वारकापुरी इलाके के इस प्लॉट की अफरा तफरी का मास्टरमाइंड एक फर्जी वकील निकला। उसने सुनियोजित तरीके से साजिश रची। आरोपियों ने एक ऑटो चालक को फर्जी मालिक बनाकर दस्तावेज तक तैयार कर लिए थे। पुलिस जांच में फर्जी वकील, ऑटो चालक और अन्य लोगों की भूमिका सामने आई। कोर्ट में वकालत की प्रैक्टिस कर रहे एक युवक की सलिलता भी पाई गई, जिसकी जांच जारी है। टीआई मनीष मिश्रा ने ऋषि नगर निवासी सौरभ राठौर की शिकायत पर राजेंद्र राठौर और उसके साथी प्रेम प्रजापत निवासी विदुर नगर के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया।

प्लॉट मालिक ने बताया - सौरभ ने बताया कि उस भूखंड पर पिछले 25 वर्षों से तीन मकान बने थे, जिनसे उसे किराया मिलता था। बाद में उसने एक बिल्डर के साथ पार्टनरशिप कर निर्माण कार्य शुरू कराया। इस दौरान राजेंद्र फर्जी दस्तावेज लेकर पहुंचा और खुद को प्लॉट का मालिक बताने लगा। शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पृष्ठताछ में राजेंद्र ने बताया कि उसने प्रेम

प्लॉट की खरीद-फरोख्त फर्जी, कोई वास्तविक लेन-देन नहीं



प्रजापत, तब्बू (अमीन खान का बेटा) और शाहनवाज बी के नाम से फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए। इन दस्तावेजों के आधार पर निर्माण कार्य रुकवाकर लाखों रुपए की मांग की गई। उसने सौरभ के खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज कराई गई। उसे दुकर्म व पॉक्सो एक्ट में फंसाने की धमकी भी दी गई। जांच में यह भी सामने आया कि प्लॉट की खरीद-फरोख्त का दावा पूरी तरह फर्जी था और किसी प्रकार का वास्तविक लेन-देन नहीं हुआ। पुलिस के अनुसार, इस साजिश का पूरा खाका प्रेम प्रजापत ने तैयार किया था।

मास्टरमाइंड निकला फर्जी वकील- बताया गया कि प्रेम प्रजापत खुद को वकील

बताता था, जबकि उसके पास कोई कानूनी डिग्री नहीं है। वह कम पढ़ा-लिखा है और पहले से हत्या सहित जमीन धोखाधड़ी के मामलों में आरोपी रह चुका है। वह वकीलों की वेशभूषा में थाने और कोर्ट परिसर में घूमता, ताकि लोगों पर प्रभाव बना सके। राजेंद्र ने अपने बयान में प्रेम प्रजापत और कोर्ट से जुड़े एक युवक सरबजीत की भूमिका का भी जिक्र किया।

धमकी भी दे चुका - कुछ दिन पहले प्रेम प्रजापत ने सौरभ और उसकी पत्नी को रास्ते में रोककर धमकाया था। उसने जमीन का मामला सुलझाने के लिए दबाव बनाया और मना करने पर जान से मारने की धमकी दी। जमीन छेड़ने के एवज में लाखों रुपए की मांग भी की गई थी। इस मामले में पहले ही धमकी और अड़िबाजी का केस दर्ज किया जा चुका है। पुलिस ने जब प्रेम को गिरफ्तार किया, तब वह वकील की वेशभूषा में था। वह अक्सर इसी तरह कोर्ट में आना-जाना करता था, ताकि अपनी पहचान मजबूत कर सके। लेकिन, अब उसके षड्यंत्र खुलासा हो गया।

मांगलिक कार्यक्रम में विवाद, युवक को कार से घसीटा, हालत भी गंभीर

इंदौर। एरोड्रम थाना क्षेत्र में स्थित बिजासन माता मंदिर के सामने एयरपोर्ट मैदान में मांगलिक कार्यक्रम के दौरान मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। इस दौरान झगड़ा शांत कराने पहुंचे युवक को ही आरोपियों ने निशाना बना लिया और उसे कार से घसीट दिया। पुलिस के अनुसार, सिद्धार्थ नगर निवासी बलराम पिता धनपाल देवड़ा, जो नगर निगम में ठेके पर काम करते हैं, ने इस मामले की शिकायत दर्ज कराई है। घटना मंगलवार शाम करीब 5.30 बजे की है। जब कार्यक्रम के दौरान भवानी नगर निवासी रवि पिता सरदार निवासी सांवेर रोड और जिनक पिता मांगीलाल मुरार निवासी हातोटे के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो रही थी।

दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज, उनकी तलाश जारी

बलराम जब दोनों के बीच झगड़ा शांत कराने पहुंचे तो आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी।

कई फीट तक घसीटा

इसी दौरान जीवन मुरार ने अपनी कार का शीशा बंद कर दिया, जिससे बलराम के दोनों हाथ कांच में फंस गए। इसके बाद उसने कार आगे बढ़ा दी, जिससे बलराम कई फीट तक सड़क पर घसीटते चले गए। इस खतरनाक घटना में बलराम के सिर और दोनों हाथों में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है

और उनकी तलाश जारी है। इलाके में इस घटना के बाद दहशत का माहौल है।

सांवेर में हो चुकी मौत

इस तरह की घटना एक पखवाड़े पहले सांवेर तहसील के ग्राम कजलाना में हुई थी। यहां पेट्रोल भराने के बाद जब कर्मचारी ने पैसे मांगे थे तो कार चालक भाग निकले। कर्मचारी ने उनका पीछा किया और पकड़ने के लिए जैसे ही गेट से हाथ अंदर किया, तभी कार में सवार युवकों ने गेट का कांच बंद कर दिया। इससे कर्मचारी 500 फीट तक घसीटता चला गया था। बाद में उसकी मौत हो गई थी।

महिला से रिफंड के नाम पर सवा लाख की ठगी, एक लिंक से धोखा

खुद को एलआईसी भोपाल हेड ऑफिस का कर्मचारी बताया

इंदौर। पुलिस की तमाम समझाइश के बाद भी लोग ठगों की बातों में आकर धोखाधड़ी के शिकार हो रहे हैं। ऐसा ही एक मामला एरोड्रम थाना क्षेत्र में सामने आया। यहां महिला से एलआईसी रिफंड के नाम पर ठग ने सवा लाख से अधिक पैसे ऐंठ लिए। महिला पिंकी राठौर ने बताया कि उसे सोमवार शाम को अनजान नंबर से कॉल आया था। कॉल करने वाले ने खुद को भोपाल स्थित एलआईसी हेड ऑफिस का कर्मचारी बताते कहा कि उनका पेंडिंग रिफंड प्रोसेस करना है। ठग ने महिला को क्लिक नाम की लिंक भेजी। जैसे ही महिला ने उस लिंक पर क्लिक किया, उसके बैंक खाते से अलग-अलग 5 ट्रांजेक्शन हुए। इन ट्रांजेक्शनों से 1 लाख

29 हजार रुपए निकाल लिए गए। इसके बाद आरोपी का मोबाइल नंबर बंद हो गया। जब महिला को ठग का अहसास हुआ तो बैंक के टोल-फ्री नंबर और साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई।

सतर्क रहने की सलाह- पुलिस ने मामले में अज्ञात आरोपी और संबंधित अकाउंट होल्डर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्राइम ब्रांच ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी अनजान कॉल, मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें। ठग इसी तरह लोगों को झांसे में लेकर उनके बैंक खातों से पैसे निकाल रहे हैं।



सुयश अस्पताल का 70 फीट ऊंचा छज्जा गिरा

इंदौर। सुयश अस्पताल का करीब 70 फीट ऊंचा छज्जा बुधवार को अचानक गिर गया। घटना के समय आसपास कुछ लोग मौजूद थे। गनीमत रही कि किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। संयोगितांज पुलिस के मुताबिक अस्पताल में निर्माण कार्य चल रहा था। इसी दौरान छज्जे दीवार से सजाकर बना गया था। जिसमें अस्पताल के पीछे की तरफ काम चल रहा था। छज्जा गिरने से पास के दो मकानों के टीन शेट क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। नाराज लोगों ने मौके पर मौजूद क्रेन के कांच फोड़ दिए और जमकर हंगामा किया। सूचना मिलने पर संयोगितांज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। इधर, प्रभावित मकान मालिक अस्पताल प्रशासन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने थाने पहुंचे हैं। पुलिस के मुताबिक लापरवाही को लेकर जांच की जा रही है।

अपराध रोकने पांच जिलाबदर 9 को थाना हाजिरी के आदेश

समय सीमा के पहले प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया

इंदौर। शहर में लगातार बढ़ते अपराधों पर अंकुश लगाने पुलिस जुड़े बंदमाशों पर कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में 5 बंदमाशों को जिलाबदर तथा 9 बंदमाशों को थाना हाजिरी के आदेश दिए। साथ ही कहा कि निर्धारित अवधि के पहले जिलाबदर किए बंदमाशों ने क्षेत्र में प्रवेश किया तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मोहम्मद शादाब पिता मोहम्मद आरीफ खान निवासी प्रकाश का बगीचा थाना राजजी जबकि 4 अप्रैल को न्यायिक कार्य नहीं होगा, हालांकि रजिस्ट्री कार्यालय खुला रहेगा। उधर, अप्रैल माह में बैंकिंग सेवाओं पर भी असर देखने को मिलेगा। इस महीने लगभग 9 दिन बैंक बंद रहेंगे, जिनमें गुड फ्राइडे, अंबेडकर जयंती सहित सभी रविवार एवं दूसरे व चौथे शनिवार शामिल हैं। ऐसे में नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे अपने जरूरी बैंकिंग और न्यायिक कार्य समय रहते निपटा लें, ताकि अनावश्यक परेशानी से बचा जा सके।

निवासी नैनोद मल्टी गांधीनगर को 3 माह के लिए जिलाबदर किया है। जबकि, फईम उर्फ माजिद पिता मोहम्मद नईम पठान निवासी गौहर नगर हुसैनी मस्जिद के सामने थाना खजराना को 6 माह, मोनु पिता बालक तन्वोली निवासी नैनोद मल्टी थाना गांधीनगर को एक साल, निमेश उर्फ सोनु पिता मनोज गौड़ निवासी कमठीपुरा को एक साल, कर्ण पिता कुशोरा कुशवाह निवासी सेठी संबंध नगर को एक साल, दीपक उर्फ दीपू पिता अशोक मुकासिया निवासी कुलकर्णी का भद्रा को 6 माह तथा गर्वित उर्फ काका उर्फ बाबा पिता लक्ष्मण सैनी निवासी नाथ मूसालखेड़ी को छह माह के लिए थाना हाजिरी के आदेश दिए।

पूर्व नपाध्यक्ष ने किया ज्वारों का विसर्जन

भंडारे में उमड़ा जनसैलाब



सोहागपुर । पूर्व नपाध्यक्ष अर्धश्रमिता मालवीय एवं मालवीय परिवार ने नवरात्रि में ज्वारों की स्थापना की थी। कल शाम ज्वारों का विसर्जन बड़ी धूम-धाम से उत्साह के साथ किया गया। जिसमें भारी संख्या में नागरिकों, मातृशक्ति एवं युवाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस ज्वारों विसर्जन में शेर, भालू आदि के मुखड़े लगाए। नागरिकों ने उपस्थित जनों को आनंदित किया। बैंड बाजों की उपस्थिति ने नागरिकों को उत्साहित किया। वहीं धार्मिक मातारानी के भजनों ने अलग ही आनंद दिया। इसके उपरांत रात में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसे भंडारा न कहरकर नगर भंडारा कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। क्योंकि पूरा नगर भंडारे में उमड़ा पड़ा। नागरिकों सहित मातृशक्ति ने भी विशाल उपस्थिति दर्ज कराई। वहीं पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय, महेश मालवीय मुकेश मालवीय, सुनील मालवीय, परिवारिक सदस्यों सहित भारी संख्या में उनके श्रेष्ठियों ने खुद परोस गिरी करके भंडारे की प्रसादी वितरण की। इस नगर भंडारे में नगर के लगभग सभी 15 वार्डों के गणमान्य नागरिक एवं मातृशक्ति उपस्थित थीं। वहीं क्षेत्र के पक्ष विपक्ष की नामचीन हस्तियों ने पहुंचकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वहीं नगर के हर वर्ग के अलावा अन्य समुदाय के नागरिकों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति हुई।

श्रद्धांजलि सभा में पंचशील बुद्ध विहार को भेंट किया वाटर प्रोजेक्ट



बैतूल। पंचशील बुद्ध विहार सदर में चंद्रशेखर वार्ड निवासी बाबूराव शेषकर द्वारा उनकी धर्मपत्नी स्वर्गीय पुष्पा शेषकर की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बाबूराव शेषकर एवं परिवार द्वारा पंचशील बुद्ध विहार प्रबंधन समिति की उपस्थिति में पानी का वाटर प्रोजेक्ट भेंट किया गया, जिसे विहार में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए समर्पित किया गया। श्रद्धांजलि सभा में परिवारजनों एवं समिति के सदस्यों ने स्वर्गीय पुष्पा शेषकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में निधि शेषकर, निखिल शेषकर, वन्दना, विकल्प नागले, कुंती आठनरे, मीना अतुलकर, हितेश बड़े, मधुकर राव शेषकर, एनके मांडवे, बाबूराव शेषकर, हितेंद्र शेषकर, एफ एल सरणकर, कमल घोषकर, बलवंतराव शेषकर, मयंक बड़े, डॉ मनोज चवड़े, नरेश भूमकर, रामदास पाटील, दिनेश मानकर सहित अन्य परिजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने स्वर्गीय पुष्पा शेषकर के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके सामाजिक योगदान को याद किया। यह सुविधा अपासकों, भिक्षुओं और आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समर्पित की गई।

रिश्तों का कत्ल : बहू ने की सास की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

घरेलू विवाद में लकड़ी से किया था हमला, परिवार के तीन सदस्य घायल



बैतूल। घरेलू विवाद किस हद तक भयावह रूप ले सकता है, इसका ताजा उदाहरण मुलताई क्षेत्र में सामने आया है। पारिवारिक कलह के चलते एक बहू ने अपनी ही सास पर लकड़ी से हमला कर दिया, जिससे गंभीर रूप से घायल 82 वर्षीय वृद्धा की उपचार के दौरान मौत हो गई। इस घटना में दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं। पुलिस ने आरोपी बहू को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस प्रेस नोट से प्राप्त जानकारी के अनुसार, फरियादिया शारदा पति शिवराम चिकाने (अप्र 55 वर्ष), निवासी ग्राम पिपरिया, थाना मुलताई ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि घटना वाले दिन सुबह लगभग 9 बजे आरोपी रश्मि पति रामेश्वर चिकाने (अप्र 47 वर्ष) उनके घर के सामने आईं और बिना किसी ठोस कारण के लकड़ी से उनके सिर पर हमला कर दिया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। फरियादिया के अनुसार, आरोपी ने इससे पहले अपनी सास प्रमिला बाई चिकाने (अप्र 82 वर्ष) के साथ भी मारपीट की थी। हमले में प्रमिला बाई को गंभीर चोटें आईं, जिन्हें पहले मुलताई अस्पताल और बाद में गंभीर हालत में एम्स

अस्पताल भोपाल रेफर किया जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इस हिंसक घटना में दिनेश पाटेकर एवं कलश पाटेकर भी घायल हुए, उन्हें प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हत्या की धारा जोड़ी गई, आरोपी गिरफ्तार - प्राथमिक रिपोर्ट के आधार पर थाना मुलताई में अपराध क्रमक 115/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2) एवं 351(3) में प्रकरण दर्ज किया गया था। बाद में मंग जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि प्रमिला बाई की मृत्यु मारपीट में आई चोटों के कारण हुई है। इसके आधार पर मामले में धारा 103(1) बीएनएस (हत्या) भी जोड़ी गई। थाना मुलताई पुलिस ने तत्परात दिखाते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया और घटना में प्रयुक्त लकड़ी (आलाजरब) भी जब्त कर ली। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

पारिवारिक विवादों का हिंसक रूप लेना चिंताजनक: एसपी वीरेंद्र जैन - पुलिस अधीक्षक बैतूल वीरेंद्र जैन ने घटना पर चिंता व्यक्त करते कहा कि पारिवारिक विवादों का इस प्रकार हिंसक रूप लेना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और समाज के लिए चिंताजनक है। परिवार समाज की मूल इकाई है, जहां संवाद, समझ और समान बेहद जरूरी है। उन्होंने अपील की कि किसी भी प्रकार के पारिवारिक तनाव या विवाद की स्थिति में कानून को हाथ में लेने के बजाय आपसी बातचीत, समझाइश और कानूनी माध्यमों का सहारा लें।

नाबालिग का अपहरण कर डेढ़ लाख में बेचा

पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार, एक फरार



किसी अज्ञात व्यक्ति ने बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन के निर्देशन में विशेष टीम बनाई गई। जांच के दौरान पता चला कि मुख्य आरोपी सागर दशपुरे बालिका को अपने साथ महाराष्ट्र ले गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 19 मार्च 2026 को बालिका को सकुशल बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अगले दिन उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। जांच के दौरान पुलिस को बड़ा खुलासा हुआ कि आरोपी ने बालिका को 1 लाख 50 हजार रुपये में बेच दिया था।

फिर बढ़ी तारीख, किसानों को समर्थन मूल्य में खरीदी शुरू होने का इंतजार अब 10 से समर्थन मूल्य में गेहूं और 16 से शुरू होगी सरसों की खरीदी



ए.एस. द्विवेदी, बैतूल। 1 अप्रैल से शुरू होने वाली गेहूं और सरसों की खरीदी की तारीख फिलहाल बढ़ गई है। अब समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी 10 अप्रैल से और भावांतर योजना के तहत सरसों की खरीदी 16 अप्रैल से प्रारंभ होगी। गेहूं खरीदी को लेकर यह दूसरी बार परिवर्तन हुआ है। इससे पहले 16 मार्च से गेहूं खरीदी शुरू होने की संभावना थी, लेकिन यह तिथि बढकर 1 अप्रैल कर दी गई। इसके बाद शासन ने पुनः खरीदी की तारीख बढ़ाकर 10 अप्रैल कर दी। उधर सरसों की खरीदी को लेकर भी यहीं हाल है। अब सरसों की खरीदी 1 अप्रैल की बजाए 16 अप्रैल से शुरू होगी। खरीदी को लेकर बार-बार तारीख बढ़ने से किसानों की चिंताएं बढ़ते जा रही हैं, क्योंकि किसानों के पास भंडारण की व्यवस्था नहीं है। ऊपर से मौसम भी साथ नहीं दे रहा है। मौसम बदलने और बारिश-हवा चलने के कारण उपज को सुरक्षित रखना किसानों के सामने चुनौतीपूर्ण बन गया है। किसानों का कहना है कि जिले की मंडियों में गेहूं के दाम 2100 से 2400 रुपए मिल रहे हैं। इसके चलते वे लंबे समय से समर्थन मूल्य पर खरीदी शुरू होने का इंतजार कर रहे थे। कई किसानों ने फसल कटाई के बाद स्टॉक भी रोकर रखा है, ताकि उन्हें सरकारी दर

पर बेहतर कीमत मिल सके। किन्तु बार-बार खरीदी की तारीख बढ़ने से किसानों के सामने समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। सबसे बड़ी समस्या भंडारण की है। किसानों के पास भंडारण की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण कई किसानों की उपज खेतों में खुले में पड़ी है। ऐसे में बारिश के कारण उपज भीगीती है तो दाना काला पड़ने की संभावना रहेगी। जिससे किसानों का नुकसान उठाना पड़ेगा।

गेहूं के लिए 18969 और सरसों के लिए 2481 पंजीयन-जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं और सरसों बेचने के लिए इस बार बड़ी संख्या में किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। बताया जा रहा है कि गेहूं बेचने के लिए 18969

किसानों और सरसों के लिए 2481 किसानों ने पंजीयन कराया है। इसके पीछे कारण यह है कि खुले बाजार (मंडी) में गेहूं के दाम 2100 से 2400 रुपये प्रति क्विंटल हैं, जबकि समर्थन मूल्य में गेहूं बेचने पर किसानों को समर्थन मूल्य 2585 रुपये और 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस मिलेगा। जिससे किसानों को प्रति क्विंटल 100 से 500 रुपये का फायदा होगा। वहीं खुले बाजार (मंडी) में सरसों के दाम समर्थन मूल्य से अधिक हैं। खुले बाजार में सरसों 6 हजार से 8 हजार प्रति क्विंटल चल रही है। जबकि भावांतर योजना में सरसों के दाम 6200 रुपये के लिए इस बार बड़ी संख्या में किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। बताया जा रहा है कि गेहूं बेचने के लिए 18969

नहीं।

बार-बार बदलता मौसम किसानों के लिए परेशानी - मौसम में हो रहे बदलाव और कहीं-कहीं बारिश के कारण खुले में रखी उपज भीगने का खतरा बना हुआ है। बुधवार जिले के कई हिस्सों में ओले गिरे। तेज आंधी के साथ बारिश भी हुई। वहीं गुरुवार सुबह भी आसमान में काले बादल छाये रहे। हालांकि दोपहर में आसमान साफ हो गया, लेकिन मौसम को लेकर किसानों की चिंता बरकरार है। मौसम विभाग के अनुसार अब सागर व बंगाल की खाड़ी से नमी, पश्चिमी विक्षोभ, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्राफ लाइन के सक्रिय होने से प्रदेश का मौसम बदल रहा है। यह स्थिति आगामी दो-तीन दिन तक भी रहने की संभावना है। इस दौरान कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हो सकती है। किसानों का कहना है कि कहीं-कहीं गेहूं कटाई चल रही है। कुछ किसान गेहूं कटाने के बाद दानव की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में मौसम में परिवर्तन के कारण फसल भीगने का खतरा बढ़ गया है।

अधिकारियों का कहना- तय तिथियों से शुरू होगी खरीदी प्रक्रिया- अधिकारियों का कहना है कि शासन ने समर्थन मूल्य में गेहूं की खरीदी की 10 अप्रैल कर दी है। तय तिथि से खरीदी केंद्रों पर पूरी व्यवस्था के साथ गेहूं खरीदी की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

किसानों को स्लॉट बुकिंग और टोकन व्यवस्था के माध्यम से बुलाया जाएगा, ताकि भीड़ नहीं लगे और खरीदी सुचारु रूप से हो सके। इधर जिला कलेक्टर ने भी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि खरीदी केंद्रों पर समुचित व्यवस्थाएं बनाई जाएं, ताकि किसानों को खरीदी केंद्रों पर किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। अधिकारियों का कहना है कि जिले में पिछले साल की खरीदी के अनुसार बारदाने उपलब्ध है। जिले में गेहूं खरीदी के लिए 64 केंद्र भी बनाये गये हैं। वहीं सरसों की खरीदी जिले की मंडियों में होना है।

इनका कहना है - शासन ने समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए तारीख बढ़ाकर 10 अप्रैल कर दी है। अब 10 अप्रैल से खरीदी होगी। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी के लिए 64 केंद्र बनाये गये हैं।

- कृष्ण कुमार टेकाम, जिला आपूर्ति अधिकारी, बैतूल सरसों खरीदी की तारीख बढ़ाकर शासन ने 16 अप्रैल कर दी है। जिले की मंडियों में भावांतर योजना के तहत सरसों की खरीदी की जायेगी। इस बार सरसों बेचने के लिए 2481 किसानों ने पंजीयन कराया है।

- आनंद बडोनिया, उप संचालक, कृषि विभाग बैतूल

घोड़ाडोंगरी के ग्राम डुल्हारा में खनिज विभाग ने कोयला के अवैध उत्खनन से बने गड्ढों को किया बंद

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन परिवहन एवं

आकस्मिक जांच के दरम्यान रात्रि का समय हो जाने कारण गड्ढों को बंद करने की कार्यवाही



भंडारण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत खनिज विभाग बैतूल के खनिज अमले के द्वारा 31 मार्च 2026 को घोड़ाडोंगरी तहसील के ग्राम डुल्हारा में स्थित तवा नदी क्षेत्र से खनिज कोयले के अवैध उत्खनन की सूचना प्राप्त होने पर आकस्मिक निरीक्षण किया गया। मौका निरीक्षण के दौरान नदी क्षेत्र से किसी भी व्यक्ति को खनिज कोयला का उत्खनन/परिवहन करते नहीं पाया गया, किन्तु 02 स्थानों पर अवैध रूप से कोयले का उत्खनन कर निकालने से बने ताजे गड्ढे पाए गये। उक्त स्थानों के आसपास कोयला के अवशेष एवं रखने के चिह्न, निशान पाये गये। उक्त

नहीं की जा सकी। उक्त क्षेत्र में खनिज कोयला के अवैध उत्खनन के संबंध में ग्रामीणों से जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया गया, किन्तु उनसे किसी प्रकार की जानकारी प्राप्त नहीं हो सकी। दूसरे दिन 1 अप्रैल 2026 को पुनः उक्त स्थल का निरीक्षण किया गया। जांच

के दौरान तवा नदी क्षेत्र के अंदर बने एक गड्ढे को जेसीबी मशीन की सहायता से नदी की धारा को मोड़कर पानी तथा आसपास के मिट्टी, मुरुम, बोल्टर से भरकर बंद किया गया तथा दूसरा गड्ढा नदी के किनारे सुरंगनुमा संरचना का पाया गया, जिसे भी मिट्टी, मुरुम, बोल्टर से भरकर पूर्णतः बंद कराया गया। निरीक्षण के दौरान, उक्त स्थल के आसपास किसी भी व्यक्ति को खनिज कोयला का अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण करते नहीं पाया गया। गौरतलब है कि पूर्व के वर्षों में भी खनिज विभाग द्वारा उक्त स्थल से खनिज कोयला के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण की रोकथाम के लिए कठोर कार्यवाही की गई थी। वर्तमान में भी उक्त क्षेत्र के आसपास खनिज कोयला के अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण की रोकथाम के लिए सतत निगरानी रखी जा रही है।

रीपर कम बाइंडर और स्ट्रॉ रीपर का किया जीवंत प्रदर्शन

कार्यशाला में किसानों को नरवाई नजलाने के लिए किया प्रेरित



बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशन में कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा युववार को जिले में नरवाई प्रबंधन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्राम भवानीतेड़ा एवं सेहरा में रीपर कम बाइंडर और स्ट्रॉ रीपर यंत्रों का जीवंत प्रदर्शन किया गया। इस दौरान कृषकों को आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए कार्यशाला का आयोजन भी किया गया। ग्राम भवानीतेड़ा के कृषक रामचरण पवार एवं ग्राम सेहरा के कृषक गुलशन लिल्लहरे ने रीपर कम बाइंडर के माध्यम से गेहूं की कटाई का प्रदर्शन किया। इस यंत्र से कटाई के बाद खेत में केवल 4-5 इंच नरवाई बचती है, जिससे नरवाई जलाने की आवश्यकता नहीं पड़ती और अगली फसल के लिए खेत जल्दी तैयार हो जाता है। कार्यक्रम में सहायक कृषि यंत्री डॉ. प्रमोद कुमार मीना ने कृषकों को यंत्रों के उपयोग एवं अनुदान प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। वहीं ग्राम सेहरा में आयोजित कार्यशाला में स्ट्रॉ रीपर का फील्ड प्रदर्शन किया गया, जिसमें बताया गया कि कम्बाइन हार्वेस्टर से कटाई के बाद बची नरवाई को स्ट्रॉ रीपर के माध्यम से भूसे में परिवर्तित किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि स्ट्रॉ रीपर से प्रति एकड़ 15 से 50 किलो तक बचा हुआ गेहूं एकत्रित हो सकता है, जिससे कृषकों को 375 से 1250 रुपये तक अतिरिक्त लाभ मिलता है। साथ ही तैयार भूसा बाजार में करीब 2000 रुपये प्रति ट्रैली तक बिकता है, जिससे किसानों की आय में वृद्धि होती है।

आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग के लिए किया प्रेरित - कार्यशाला के दौरान विभाग द्वारा कृषकों से नरवाई नजलाने की अपील करते हुए स्ट्रॉ रीपर, रीपर कम बाइंडर, हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, रोटावेटर एवं मल्टचर जैसे आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग पर जोर दिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्रीमती अलका कोड्डे, कृषि विस्तार अधिकारी श्री कलम, तकनीकी शाखा प्रभारी श्री इंद्रभान सिंह सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत बडोरा में सापना नदी घाट पर चलाया स्वच्छता अभियान

बैतूल। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत ग्राम पंचायत बडोरा में सापना नदी घाट पर



जनसमुदाय की सक्रिय भागीदारी से स्वच्छता अभियान चलाया गया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती प्रिया चौधरी ने कार्यक्रम के दौरान सुरक्षित कल-समुद्र कल का संदेश दिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी ग्रामीणों ने जल संरक्षण का संकल्प लेते हुए पानी की हर एक

बूंद को बचाने का प्रण लिया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत बडोरा की सरपंच श्रीमती सविता धुर्वे ने जल संरक्षण के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। अभियान के तहत जल स्रोतों की साफ-सफाई एवं पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत माता मंदिर के पास घाट पर की गई। साथी हाथ बढ़ाना की भावना के साथ जनसहयोग से यह पुनीत कार्य संपन्न हुआ। जल के प्रति जन जागरूकता के लिए आयोजित इस श्रमदान में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के परामर्शदाता राजू बी.आठनरे, आशीष कोंकने, जन अभियान परिषद के परामर्शदाता, नवांकुर संस्था अंश सेवा समिति, भूपेंद्र महिला एवं बाल उत्थान समिति के सदस्य समाजसेवी अरविंद धुर्वे, रोहित चौकीकर, रामकिशोर पवार, संजय माकोडे, उमेश डांगे, ओमकार भारती, जनप्रतिनिधि, सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं एवं ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नगर हुआ हनुमंत लाल मय, जगह-जगह भंडारे



चौधरी, युवक कांग्रेस नेता चौरसिया, जन अभियान परिषद के ब्लाक समन्वयक किशोर कड़ोले पत्रकार संघ अध्यक्ष पवनसिंह चौहान, वरिष्ठ पत्रकार अनुप मिश्र सेमरी हरचंद पूर्व पत्रकार संघ अध्यक्ष देवेन्द्र कुशवाहा, पत्रकार रीतेश साहू, पत्रकार आनंद पाराशर, देवेन्द्र पटेल रामनगर, हिमांशु पटेल ठीकरी, किसान कांग्रेस नगर अध्यक्ष समाजसेवी गणेश अहिरवार, भाईजी अहिरवार ईधरपुर, पूर्व पार्षद अन्ना काका, पूर्व पार्षद मोहन कहार, समाजसेवी संजय खडेलवाल,

प्राचार्य धनराज तिवारी, चौबे जी, प्रशांत साहू, पूर्व फौजी नीलम पटेल, पूर्व फौजी राजेश रघुवंशी, नगरपालिका के बजेश खानोकर सहित समस्त विभागों के कर्मचारियों सहित गणमान्य नागरिक एवं भारी संख्या में मातृशक्ति ने भंडारे की प्रसादी ग्रहण की।

महंत हरिकिशनदास जी समाजसेवी विशाल गोलानी गमछ ओढ़कर सम्मानित किया। पंडितजी सुनील भागव एवं भाई साहब ताराचंद कलतारी का गमछ ओढ़कर सम्मानित किया। इसके पूर्व

पंडित सुनील भागव ने जिजमान हीरालाल गोलानी से हनुमान जयंती की विशेष पूजा अर्चना कराई। उक्त पूजन अर्चना करीबन दो घंटे से अधिक समय तक हुई। बालक हनुमान मंदिर में सैकड़ों नागरिक, मातृशक्ति ने भंडारे की प्रसादी ग्रहण की। इधर न्यायालय परिसर में भी विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें न्यायाधीश महोदय, अधिवक्ताओं सहित कई गणमान्य नागरिक ने भंडारे की प्रसादी ग्रहण की। माता पुरा में शरद योगी उर्फ चप्पू के सानिध्य में प्रतिवर्षानुसार इस साल भी विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। पुराने पुलिस थाने के पीछे काली मंदिर परिसर में भगवानदास गोलू ने हनुमान जयंती पर भंडारे का आयोजन किया था। इधर मुख्य बाजार में धम्मी चौरसिया, मिश्रीलाल साहू आदि के सानिध्य में शाम से भंडारे का आयोजन किया था। इधर जवाहर वार्ड एवं रघुवंशीपुरा में भी हनुमंत लाल के भंडारे का आयोजन किया गया था। कमनिया गेट स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना के उपरांत निरंतर प्रसाद वितरण किया गया। इधर नगर के लगभग सभी हनुमंत लाल मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना एवं भंडारे एवं प्रसादी प्रदान करने की सूचनाएं हैं।

राजकोट-रीवा एक्सप्रेस में बढ़ेगा थर्ड एसी कोच

- 24 और 25 मई से लागू होगी नई व्यवस्था, समर सीजन में भीड़ प्रबंधन में मिलेगी मदद



भोपाल (नप्र)। समर सीजन में बढ़ती यात्री संख्या को देखते हुए रेलवे ने सुविधाएं बढ़ाने की दिशा में अहम फैसला लिया है। इसी क्रम में भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली राजकोट-रीवा-राजकोट एक्सप्रेस ट्रेन में एक अतिरिक्त थर्ड एसी कोच जोड़ने का निर्णय लिया गया है, जिससे यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

इन तारीखों से लागू होगी व्यवस्था

रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 22937 राजकोट-रीवा एक्सप्रेस में 24 मई 2026 से एक थर्ड एसी कोच जोड़ा जाएगा। वहीं, गाड़ी संख्या 22938 रीवा-राजकोट एक्सप्रेस में 25 मई 2026 से यह सुविधा प्रभावी होगी। अतिरिक्त कोच जुड़ने के बाद दोनों ट्रेनों में कुल 22 कोच होंगे। इनमें 1 फर्स्ट एसी, 2 सेकंड एसी, 5 थर्ड एसी, 2 थर्ड एसी इकोनॉमी, 6 स्लीपर क्लास, 4 जनरल कोच, 1 जनरेटर कार और 1 एसएलआरडी कोच शामिल रहेगा।

यात्रियों को मिलेगा सीधा लाभ

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, अतिरिक्त एसी कोच जुड़ने से न सिर्फ यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी, बल्कि भीड़ प्रबंधन भी संतुलित रहेगा। यात्रियों से अपील की गई है कि यात्रा से पहले ट्रेन की जानकारी रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट, एनटीईएस और रेल मदद 139 के माध्यम से जरूर जांच लें।

प्रदेश में 5 अप्रैल तक ओले आंधी-बारिश का दौर

भोपाल-इंदौर समेत 30 जिलों में बारिश का अलर्ट, निमाड़ में ओले गिरेंगे

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में आंधी-बारिश का स्ट्रॉंग सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से पिछले 72 घंटे से तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का दौर चल रहा है। बुधवार को प्रदेश के आधे हिस्से में मौसम बदला रहा। वहीं, गुरुवार को भोपाल, इंदौर समेत 30 जिलों में बारिश का अलर्ट है, जबकि निमाड़ के धार, बड़वानी और झाबुआ में ओले भी गिर सकते हैं। अगले 24 घंटे के दौरान जिन जिलों में बारिश हो सकती है, उनमें ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, मुरेना, श्योपुर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, नीमच, मंदसौर, रतलाम, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, बड़वानी, आगर-मालवा, राजमांडू, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांडुरंगा, बैतूल, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, देवास, शाजापुर शामिल हैं।

50 किमी प्रति घंटा से चलेगी आंधी

मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को छिंदवाड़ा, सिवनी और पांडुरंगा में तेज आंधी चलेगी। इसकी रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है। बाकी जिलों में 30 से 40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से आंधी चलेगी। इससे पहले बुधवार को भोपाल में गरज-चमक के साथ बारिश हुई।

डीआर की अवधि में कटौती असंवैधानिक

भोपाल। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने शासकीय सेवकों को 1 जुलाई 25 से एवं पेंशनरों को देय अवधि में 6 माह की कटौती कर 1 जनवरी 2026 से 3 प्रतिशत महंगाई राहत आदेश को असंवैधानिक बताया है। एसोसिएशन के सरक्षक गोपेश दत्त जोशी एवं प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने कहा कि डीआर की अवधि में कटौती हाल ही में माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पश्चिम बंगाल के कर्मचारियों के संदर्भ में दिए गए निर्णय की स्पष्ट अवमानना है। भोपाल जिले के अध्यक्ष सुरेश शर्मा ने कहा कि डीआर की अवधि में कटौती करने का सरकार के पास ना तो कोई नियम है और न ही अधिकार। सक्सेना ने मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के मुख्य एवं पित सचिव को नाम से पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि महंगाई राहत की अवधि में कटौती संवैधानिक व्यवस्था के प्रतिकूल है एवं सरकार जानबूझकर वृद्ध पेंशनरों को आर्थिक जटिलताओं में जीवन यापन करने के लिए विवश कर रही है। एसोसिएशन के प्रांतीय उपाध्यक्ष संतोष ठाकुर, शैलेंद्र नाथ श्रीवास्तव, प्रांतीय सचिव रामगोपाल माथुर एवं यशवंत सिंह वैस ने कहा कि मध्य प्रदेश राज्य पुनर्गठन अधिनियम 2000 एकीकृत मध्य प्रदेश के पेंशनरी दायित्वों के प्रभाजन पर लागू है ना कि उतरवर्ती पेंशनरी दायित्वों पर। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने सरकार से विगत 81 माह के बकाया महंगाई राहत का 18 प्रतिशत ब्याज के साथ भुगतान करने की मांग की है।

कोलार-विजय नगर में शराब दुकान शिफ्टिंग का विरोध

धरने पर बैठी महिलाएं, भजन-कीर्तन कर रहीं, कोलार में दुकान के सामने जुटे लोग

भोपाल (नप्र)। राजधानी भोपाल में दो शराब दुकानों की शिफ्टिंग का मामला तूल पकड़ रहा है। ये दुकानें कोलार रोड और विजय नगर में हैं। कोलार रोड स्थित मंदाकिनी चौराहे पर दुकान शिफ्ट होने पर कई लोग दुकान के सामने ही इकट्ठा हो गए और नारेबाजी की। वहीं, विजय नगर में दुकान के सामने ही टेंट लगाकर महिलाएं

भजन-कीर्तन कर रही हैं। पुलिस ने महिलाओं को समझाने की कोशिश की, लेकिन वे मानने को तैयार नहीं हैं। उनकी मांग है कि जब तक दुकान शिफ्ट नहीं होती, तब तक वे सड़क पर ही बैठी रहेंगी।

हालांकि, कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह दुकान को हटाने के निर्देश दे चुके हैं, लेकिन दुकान नहीं हटी। विजय नगर स्थित साईंराम कॉलोनी की दुकान को हटाने के लिए लोग पिछले एक साल से जनसुनवाई में आवेदन दे रहे हैं। बावजूद दुकान नहीं हटाई जा सकी। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं के साथ कई युवा भी शामिल हैं।

कोलार रोड पर रहवासी इलाके व मंदिर के पास शिफ्ट हुई दुकान - कोलार रोड पर भी एक शराब दुकान की शिफ्टिंग का मामला तूल पकड़ रहा है। पहले दुकान सर्वधर्म इलाके में थी, जो अब मंदाकिनी चौराहे पर शिफ्ट कर दी गई है। इसके ठीक पीछे जैन मंदिर है और

रहवासी इलाका है। इसके चलते लोग विरोध में उतर गए हैं। बुधवार रात उन्होंने दुकान के सामने प्रदर्शन किया। वहीं, गुरुवार को कलेक्टर से मिलने जाएंगे।

इस मुद्दे पर रहवासियों के साथ कांग्रेस भी मैदान में उतर गए हैं। कोलार कांग्रेस अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ ने विरोध दर्ज कराते हुए कोलार थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा और दुकान को तुरंत हटाने की मांग की। राठौड़ ने

बताया कि कोलार रोड के सबसे प्रमुख स्थान मंदाकिनी चौराहे पर मंदाकिनी जैन मंदिर के पीछे ही शराब दुकान खुल गई है। शराब दुकान खुलने के पहले ही दिन चौराहे के आसपास जाम लग गया। पास में ही मंदाकिनी जैन मंदिर, रहवासी इलाका है।

सर्वधर्म पुल के पास शिफ्ट हो दुकान - राठौड़ ने बताया कि गुरुवार को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से मुलाकात करेंगे। इस वाइन शॉप को मंदाकिनी चौराहे के साथ सर्वधर्म कॉलोनी से भी हटाने की मांग करेंगे। सर्वधर्म पुल के पार नई दुकानें बनी हैं। शराब दुकान को वहां पर शिफ्ट किया जाए।

लोगों ने बैठक की - मंदाकिनी चौराहे पर शराब दुकान की शिफ्टिंग को लेकर आम लोग भी विरोध जता रहे हैं। इसे लेकर गुरुवार सुबह उन्होंने मीटिंग की। जिसमें दुकान को अन्य ऐसी जगह पर शिफ्ट करने का निर्णय लिया गया, जहां रहवासी इलाका, स्कूल या मंदिर न हो।

कूटरचित दस्तावेजों के जरिए फर्जी लोन स्वीकृत कर राशि हड़पी

भोपाल (नप्र)। बैंकिंग प्रणाली में भरोसे को झटका देने वाले मिसरोद शाखा भ्रष्टाचार मामले में सीबीआई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए तत्कालीन शाखा प्रबंधक पियूष चतुर्वेदी और सहअभियुक्त मोहनसिंह सोलंकी को दोषी ठहराया है। सीबीआई प्रकरणों की सुनवाई कर रही अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीलम शुक्ला को अदालत ने दोनों को विभिन्न धाराओं में 7-7 वर्ष के कठोर कारावास सहित जुर्माने की सजा सुनाई।

2014 में फर्जीवाड़ा, 2016 में हुई शिकायत - मामला जुलाई 2014 का है, जब बैंक ऑफ इंडिया की मिसरोद शाखा में पदस्थ शाखा प्रबंधक ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर कई व्यक्तियों और फर्मों के नाम पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर टर्म लोन और केश क्रेडिट लिमिटेड स्वीकृत की। इन खातों से संबंधित वास्तविक खाताधारकों को इसकी जानकारी तक नहीं दी गई और रकम आहरित कर ली गई। इस अनियमितता की शिकायत वर्ष 2016 में सीबीआई एसीबी भोपाल को दी गई, जिसके बाद विस्तृत जांच शुरू हुई।

'विजन कम्प्यूटर' के नाम पर 12.5 लाख का खेल - जांच में सामने आया कि आरोपियों ने 'मेसर्स विजन कम्प्यूटर' के नाम पर 12.50 लाख रुपए का ऋण स्वीकृत किया। इसके लिए कूटरचित दस्तावेजों का उपयोग किया गया और बाद में यह राशि खाताधारक की जानकारी के बिना मोहनसिंह सोलंकी द्वारा संचालित अन्य फर्म के खाते में ट्रांसफर कर दी गई।

खंडवा का जांबाज सैक कैचर आशिक हारा जिंदगी की जंग

सांप को डिब्बे में बंद कर पहुंचा अस्पताल, फिर भी नहीं बचा

खंडवा (नप्र)। मध्यप्रदेश के खंडवा जिले से एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। इलाके के जाने-माने सैक कैचर आशिक मंसूरी, जिन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर अब तक 1000 से ज्यादा सांपों को पकड़ा और लोगों को जीवनदान दिया, मंगलवार रात खुद काल का ग्रास बन गए। बरुड़ गांव में एक जहरीले सांप को रेस्क्यू करते समय हुई एक मामूली सी चूक उनके जीवन पर भारी पड़ गई।

अंतिम समय में भी दूसरों की थी फिक्र - भोज्याखेड़ी निवासी आशिक मंसूरी की बहदुरी का आलम यह था कि सांप के डसने के बाद भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने न केवल उस जहरीले नाग को काबू किया, बल्कि उसे एक प्लास्टिक के पीपे में सुरक्षित बंद भी किया। इसके बाद वे खुद उस पीपे को लेकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अस्पताल में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब पीपे के अंदर बंद सांप उग्र होकर फन मारने लगा और पूरा डब्बा हिलने लगा। लोग दहशत में थे, लेकिन आशिक शांत थे।

12 बजे थर्मो सांभें, अस्पताल में उमड़ी भीड़ - डॉक्टरों ने आशिक को तुरंत एंटी-सैक वेनम दिया और आईसीयू में शिफ्ट किया। हालांकि, सांप इतना जहरीला था कि जहर फेफड़ों और नसों तक तेजी से फैल चुका था। डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद मंगलवार रात करीब 12 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। जैसे ही उनकी मौत की खबर फैली, अस्पताल परिसर में उनके चाहने वालों और रिश्तेदारों का हजूम उमड़ पड़ा। आशिक भाई के लिए सांप पकड़ना पेशा नहीं, सेवा थी। वे बिना किसी शुल्क के आधी रात को भी फोन आने पर गांव-गांव पहुंच जाते थे। जिस हुरन ने उन्हें पहचान दिलाई, उसी जोखिम ने आज उन्हें हमसे छिन लिया।



पुलिस-वनविभागटीमें कर रही सर्चिंग

पन्ना (नप्र)। एमपी के पन्ना टाइगर रिजर्व की सुनैहरा बीट से आज एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। यहां के टपरियन हार इलाके से एक ढाई साल की मासूम बच्ची रहस्यमयी ढंग से लापता हो गई है। घटना के बाद से पूरे इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। वन विभाग के साथ-साथ पुलिस बल भी हार्ड अलर्ट पर है।

महुआ बीनने गए थे माता-पिता, तभी घटी घटना - दो साल की मासूम बच्ची पलक आदिवासी के पिता अमर आदिवासी के अनुसार, वह अपनी पत्नी और बेटे के साथ जंगल से सटे अपने खेत में महुआ बीनने गए थे। खेत जंगल के काफी करीब है, जहां उन्होंने अपनी एक छोटी सी टपरिया (झोपड़ी) भी बना रखी है। जब माता-पिता काम में व्यस्त थे, तभी अचानक उनकी मासूम बच्ची ओझल हो गई।

लौटकर आए तो नहीं मिली मासूम - रेंजर अजय बाजपेयी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और वन विभाग की



टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। इलाके में बाधों और अन्य हिंसक जानवरों की मौजूदगी को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि कोई जंगली जानवर बच्ची को उठा ले गया होगा। हालांकि, अभी तक कोई ठोस साक्ष्य या सुराग हाथ नहीं लगा है। रेंजर, वन विभाग अजय बाजपेयी ने बताया कि पन्नाईहरा बीट से ढाई साल की मासूम बच्ची के गायब होने की सूचना के बाद पूरे इलाके में सर्चिंग चल रही है। पुलिस-वन विभाग की डॉग स्काड और

ग्रामीण सभी तलाश में जुटे हैं, इलाके में बाधों व अन्य जानवरों की मौजूदगी भी रहती है। डॉग स्काड और सर्च टीमें तैनात- बच्ची की तलाश में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। मौके पर पन्ना टाइगर रिजर्व का विशेष डॉग स्काड तैनात किया गया है। वहीं पुलिस विभाग का डॉग स्काड भी सर्चिंग में जुटा है। इसके साथ ही पूरे गांव के लोग और वन विभाग का अमला झाड़ियों और घने जंगलों की खाक छन रहा है।

टीमें संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चला रही

रेंजर का कहना है कि हमें पन्ना टीआई रोहित मिश्रा के माध्यम से सूचना मिली थी कि सुनैरा बीट के कक्ष क्रमांक पी-443 से एक बच्ची लापता है। पुलिस और हमारी टीमें संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चला रही हैं। फिलहाल कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, जांच जारी है। बता दें कि पन्ना के इन जंगलों में बाधों की सक्रियता हमेशा बनी रहती है, ऐसे में मासूम की सुरक्षा को लेकर हर कोई दुआ कर रहा है।

कांग्रेस के कमलनाथ ने किया मोदी सरकार का बचाव

बोले-गैस की कमी नहीं है ये माहौल बना दिया

छिंदवाड़ा (नप्र)। कांग्रेस के कमलनाथ ने देश में एलपीजी गैस और पेट्रोलियम की क्राइसिस को लेकर पहली दफा खुलकर बोला है। पूर्व सीएम ने मोदी सरकार का बचाव करते हुए कहा कि, देश में गैस की परेशानी नहीं है, केवल व्यवस्था का गड़बड़ी है। क्राइसिस का माहौल बना दिया है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ गुरुवार को छिंदवाड़ा पहुंचे। सुबह वे इमलीखड़ा स्थित हवाई पट्टी पर उतरे, जहां बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। एयरस्टिप पर स्वागत के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस दौरान उनके साथ पूर्व सांसद नकुलनाथ भी मौजूद रहे। गैस किल्लत पर बोले-अव्यवस्था से बना संकट का



माहौल- कमलनाथ ने गैस सिलेंडर की कथित किल्लत के मुद्दे पर बड़ा बयान दिया। उन्होंने प्रशासन का बचाव करते हुए कहा कि गैस की कोई वास्तविक कमी नहीं है। यह सिर्फ वितरण व्यवस्था में अव्यवस्था का नतीजा है, जिससे लोगों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि सप्लाई पर्याप्त है, लेकिन सही तरीके से वितरण नहीं होने के कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शोक यात्रा में शामिल होने पहुंचे- कमलनाथ ने अपने दौरे का मुख्य उद्देश्य स्पष्ट करते हुए बताया कि वे छिंदवाड़ा एक शोक यात्रा में शामिल होने के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि यह उनका व्यक्तिगत कार्यक्रम है, जिसमें वे दिवंगत व्यक्ति के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त करेंगे।

कैंसर से बचाने में भी इंदौर-भोपाल फिसड़ी

इंदौर में सिर्फ 4 प्रतिशत किशोरियों को लगी एचपीवी वैक्सीन, 70 प्रतिशत के साथ डिंडोरी आगे

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में किशोरियों को सर्वाधिकल कैंसर से बचाने के लिए चलाए जा रहे एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान की ताजा रिपोर्ट चौकाने वाली तस्वीर पेश करती है। जहां एक तरफ डिंडोरी, बालाघाट और राजगढ़ जैसे जिले 70 से 79 प्रतिशत तक कवरेज के साथ टॉप पर हैं, वहीं बड़े शहर इस दौड़ में पीछे छूट गए हैं। इंदौर महज 3.96 प्रतिशत कवरेज के साथ सबसे आखिरी स्थान पर है, जबकि राजधानी भोपाल भी 12.65 प्रतिशत के साथ 43वें स्थान पर पहुंच गया है।

यह स्थिति बताती है कि जागरूकता और संसाधनों के बावजूद बड़े शहरों में अभियान अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रहा। खास बात यह है कि बड़े शहर सिर्फ स्वास्थ्य के क्षेत्र



में नहीं बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी पिछड़ते जा रहे हैं। इसी तरह का ट्रेंड हाल में जारी हुए 5वीं-8वीं के बोर्ड एग्जाम के दौरान देखने को मिला।

देश के टॉप स्टेट में शामिल है मध्यप्रदेश- राज्य स्तर पर एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान का कुल लक्ष्य 8 लाख 3 हजार 684 किशोरियों को टीका लगाने का है। अब तक 2 लाख

8 हजार 873 का टीकाकरण हो चुका है, जो कुल लक्ष्य का लगभग 25.99 प्रतिशत है। राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश का प्रदर्शन बेहतर है। टॉप स्टेट्स में एमपी शामिल है। हालांकि, शहरी क्षेत्रों के आंकड़े इस प्रदर्शन को कमजोर बना रहे हैं।

हर साल सवा लाख महिलाएं आ रहीं चपेट में- भारत में हर साल करीब 1.25 लाख महिलाएं सर्वाधिकल कैंसर की चपेट में आती हैं और लगभग 75 हजार महिलाओं की मौत हो जाती है। यह बीमारी धीरे-धीरे विकसित होती है और शुरूआती चरण में अक्सर लक्षण नहीं दिखते। डॉक्टरों का कहना है कि किशोरावस्था में वैक्सीनेशन भविष्य में इस बीमारी से बचाव का सबसे सुरक्षित और प्रभावी तरीका है।